राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

माध्यमिक पाठ्यक्रम : हिंदी

पाठ 8 : आज़ादी

कार्यपत्रक - 8

1. 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में पोखर का दृश्य है जिसमें बगुले, मछली, और चिड़िया का वर्णन किया गया है। अपने आसपास के वातावरण का अवलोकन कीजिये आप इन जीवों को शामिल करते हुए एक दृश्य की कल्पना कीजिये और उसका वर्णन कीजिये ।

2. 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में विवाहोत्सव का वर्णन किया गया है। आप दूल्हा बने चने के स्वभाव के बारे में कल्पना कीजिए और वर्णन कीजिये ।

3. चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में पोखर में चाँद के प्रतिबिम्ब का चित्रण है। किसी चाँदनी रात के दृश्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

4. 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में आपने पढ़ा-'इस विजन में, दूर व्यापारिक नगर से, प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है।'आप नगर, महानगर में रहते हैं या किसी गाँव, कस्बे में? अपने परिवेश की कम से कम तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिये ।

5. नीचे दिये गए अंश की सप्रसंग व्याख्या कीजिये:

चुप बैठा बगुला डुबाये टांग जल में,
देखते ही मीन चंचल-
ध्यान निद्रा त्यागता है,
चट दबा कर चोंच में
नीचे गले के डालता है।
एक काल माथ वाली चतुर चिड़िया
श्वेत पंखों के झपाटे मार फौरन
टूट पड़ती है भरे जल के हृदय पर,
एक उजली चटुल मछली
चोंच पीली में दबाकर
दूर उड़ती है गगन में।

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
माध्यमिक पाठ्यक्रम : हिंदी
पाठ 8 : आज़ादी
कार्यपत्रक - 8

6. क्या आप जानते हैं कि हाथ पीले करना एक मुहावरा है? ऐसे दो मुहावरे लिखिए जिनमें 'हाथ' शामिल हो। इन मुहावरों का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिये कि इनका अर्थ स्पष्ट हो।

7. 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में केवल सरसों के लिए हाथ पीले करने की कल्पना क्यों की गयी है? क्या आपको यह कल्पना उपयुक्त लगती है?स्पष्ट कीजिये।

8. क्या आप अपने जीवन में किसी 'चटुल मछली' से परिचित हैं? इस कविता के संदर्भ में विस्तार से स्पष्ट कीजिये।

9. 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में चंद्रमा को चाँदी का बड़ा-सा गोल खंभा कहा गया है। आप चंद्रमा की कल्पना किस रूप में करेंगे? विस्तार से व्याख्या कीजिये।

10. 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में अलसी,सरसों,चने को मानवों की भांति व्यवहार करते दिखाया गया है।आप अपनी पसंद से कोई अन्य फसल चुनिये और और विस्तार से कल्पना कीजिये।